Vol 2 Issue 8 Feb 2013

Impact Factor : 1.2018 (GISI)

ISSN No :2231-5063

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 0.2105

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Golden Research Thoughts
Volume 2, Issue. 8, Feb. 2013
ISSN:-2231-5063
Available online at www.aygrt.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

नारी का डूबता अस्तित्व- कन्या भ्रूण हत्या

निधि सैनी

प्रवक्ता
हिन्दु गर्ल्ज कॉलेज, जगाधरी

सारांशः

''यत्र नार्यस्तु पुज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः'' से लेकर 'नारी' तुम केवल श्रद्धा हो तक जो भाव है उससे नारी के पावन रूप की प्रतिष्ठाा का बोध होता है। नारी का इतिहास अनेक उत्थान-पतनों का इतिहास है। समय-समय पर नारी विषयक मानदण्डों में परिवर्तन होता रहा है। गार्गी, मैत्रयी जैसी विदूषी नारियों ने वेदों का अध्ययन, आध्यात्मिक चर्चा आदि में पुरूष के साथ बराबर सहयोग दिया। कोई भी धार्मिक अनुष्ठान नारी के बिना सम्पूर्ण नहीं माना जाता था। धीरे-धीरे नारी की स्थिति में परिवर्तन आने लगा। उसे अधिकारों से वंचित किया जाने लगा। रानी को कामिनी,पतन-कारिणी, निन्दनीय एवं त्याज्य समझा जाने लगा।

प्रस्तावना :–

हर युग में चाहे वो माता हो, पतिव्रता हो, कामिनी हो या त्याज्य हो परन्तु उसका अस्तित्व कायम रहा। अति तो तब हुई जब आधुनिक युग आया या हमने आधुनिकता में प्रवेश किया। वर्तमान में हम एक ओर नारी की समानता की बात करते है, उसके अधिकारों की बात करते है, तो दुसरी ओर उसके अस्तित्व को समाप्त करना चाहते है।

जब देश के बुद्धिजीवी किसी समस्या को लेकर आगे आते है, उसका विरोध करते है, तब उसे हम समस्या नहीं बल्कि समस्याओं या सामाजिक विकारों का परिणाम मानते है टीवी और समाचार पत्रों के समाचारों मे लड़कियों के विरूद्ध अपराधों की जो दिल को दहला देने वाली बाढ़ सी आ गई है, इसे समस्या मानकर कुछ लोग इसे सरकार की नाकाकी मानते है।

हमारे देश में गर्भ में कन्या की हत्या करने का चलन करीब बीस-तीस वर्ष पुरान हो गया है।यह सिलसिला तब आरम्भ हुआ जब देश में गर्भ में भ्रुण की पहचार करने सकने वाली 'अल्ट्रासाउंड मशीन'' का चिकित्सकीय उपयोग प्रारम्भ हुआ। दरअसल पश्चिम के वैज्ञानिकों ने इसका आविष्कार गर्भ में पल रहे बच्चे तथा अन्य लोगों के पेट के दोषों की पहचान कर उसका इलाज करने की नीयत से किया था। भारत के भी निजी चिकित्सालयों मे भी यही उद्देश्य कहते हुए इस मशीन की स्थापना की गई। यह गलत नहीं था। परन्तु जिस तरह इसका दुरूपयोग गर्भ में बच्चे का लिंग परीक्षण करवाकर कन्या भ्रूण हत्या का चलन प्रारम्भ हुआ उसने समाज में लिंग अनुपात की स्थिति को अत्यधिक प्रभावित किया। सन् 2001 की जानगणना के अनुसार भारत में प्रति हजार लड़कों के पीछे 933 लड़कियाँ थी, आज केवल 914 रह गई है। लोग कन्या भ्रूण समापन करते है। इसके कई कारण है।

पहला कारण है एक लड़की के विवाह में कम से कम छः लाख से अधिक खर्च आता है जिसे निम्न श्रेणी का विवाह कहा जाता है। क्या एक साधरण सामान्य व्यक्ति जिसकी आय छः से दस हजार रूपय महीना हो, इस खर्च को उठाने की हिम्मत जुटा सकता है। ऐसा व्यक्ति क्या खएगा, क्या पहनेगा, कैसे अपने जीवन को बचाएगा। एक कन्या को पहले जन्म दो, फिर उसकी परवरिश करो, फिर पढ़ाई और विवाह पर खर्च करो, फिर तीज-त्यौहार, समधि मिलन, उसकी सन्तानोंत्पति आदि ना जाने ऐसे कितने खर्च है जिसे एक साधरण व्यक्ति के लिए सहन कर पाना आसान नहीं है।

'देना भला न बाप का, बेटी भली न एक'

यह लोकोक्ति कन्याओं के प्रति हमारे दृष्टिकोण को पूर्णतया स्पष्ट करती है। भारतीय जीवन की मानसिकता का यह भी एक अनिवार्य अंग बन चुकी है। कि लड़की 'पराया धन' है।

दूसरा कारण है बेरोजगारी और अशिक्षा। धन के आभाव के चलते माता-पिता एक कन्या के पालन-पोषण में असमर्थ होते है। एक लड़का तो उन्हें कमाकर देगा, उनका वंश चलाएगा, परन्तु कन्या दूसरे घर जाएगी, फिर उसे उत्पन्न करने का क्या लाभ। एक अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा के महत्त्व को समझने में असमथ है जिस कारण वा अपनी कन्या को भी शिक्षा से वंचित रखना चाहता है। दूसरा अशिक्षित होने के कारण वो वंश चलाने वाले लड़के की चाह रखता है।

तीसरा कारण है महिलाओं पर हो रहा उत्पीड़न या शोषण। ऐसा माना जाता है कि मनुष्य एकमा? ऐसी जाति है जो सदा विकासशील रही है। और यह चरितार्थ-भी हुआ है। परन्तु, सभ्यता के विकास के क्रम में मानव ने ज्यों-ज्यों अपने कमद आग्र बढाए, त्यों-त्यों सामाजिक-व्यवस्था में पुरूषों ने अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया और महिलाओं को पर्याप्त योगदान के बावजूद पृष्ठ भूमि में डाल दिया गा। कहा गया हैः-

'' पिता रक्षित कौमार्य, भर्ता रक्षति यौवने!
रक्षान्ति स्थाविरे पुत्रा, न स्त्री स्वातंत्रयमर्हति!!''

(अर्थात स्त्री किशोरावस्था में पिता की निगरानी में, युवावस्था में पति की निगरानी में और वृद्धावस्था में पुत्र श्री निगरानी में जीवन यापन करती है, इसलिए उसे स्वतंत्रता

Title :*नारी का डूबता अस्तित्व- कन्या भ्रूण हत्या*
Source:Golden Research Thoughts [2231-5063] *निधि सैनी* yr:2013 vol:2 iss:8

की आवश्यकता नहीं)

आज आए दिन घरेलू उत्पीड़न, महिलाओं का सार्वजनिक शोषण, लैंगिक शोषण, शारीरिक व मानसिक बलात्कार, भावात्मक यौन–उत्पीड़न आदि हो रहे है। जिस कारण माता–पिता के मन में सदैव भय बना रहता है। यह भय ही उन्हें भ्रूण–हत्या जैसे अपराध करने को बाध्य कर देता है।

चौथा और सबसे अहम् कारण है। भ्रूण में कन्या के समापन का वो है। स्वंय नारी, उसकी विचारधारा, नारी के मन में कन्य को जन्म ना देने की सोच।

एक ''माँ'' जिसके लिए कहा गया कि भगवान जब धरती पर न आ सका तो उसने माँ को बनया। बेटी घर–आँगन को महकाने वाली, बहन जीवन भर प्रेम की डोर में बांधकर रखने वाली और पत्नी एक कर्त्तव्य, एक धर्म का साक्षात् रूप।

एक माँ नारी होकर सोचती है बेटी चाहिए, बहन नारी होकर कहती है भाई चाहिए, सास नारी होकर कहती है वंश चलाने वाला चाहिए। तो पुरूष प्रधान समाज दोषी कहाँ है। नारी की विचारधारा ही जब इतनी संकीर्ण है, तो सुधान भी तो नारी में चाहिए।

एक और हम कन्याओं की पुजा करते है दुसरी ओर उन्हीं कन्याओं के आगे पुत्र प्राप्ति का वर मांगते है। फिर उसी कन्या की भ्रूण में हत्या करते है।

हमारे समाज में फैली अज्ञानता ही इस समस्या की जड़ है। केवल कानून बनाने और उसका डर दिखाने मात्र से ही समस्या का समाधान नहीं होगा। आज हमें पितृव9दी मानसिकता को समता आधारित दृष्टिकोण में परवर्तित करने की आवश्यकता है। प्रत्येक सामाजिक समस्या का मूल नैतिक मुल्यों के पतन में समाहित है। स्त्री के अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा। कन्या के महत्त्व को समझना होगा। हमें समझना होगा कि जहाँ नारी का अस्तित्व नहीं वहां किसी पुरूष या समाज का अस्तित्व नहीं

''मैं नदी हूँ, कम नहीं है मुकद्दर मेरा।
रास्ता देखता रहता है समन्दर मेरा।।''

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1.B.K. सिंह, महिला सहशक्तिकरण, अध्ययन पब्लिकेशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण 2006, पेज 5, 9
2.M.K. बंसल, ''महिलाएं एवं भारतीय राजनीति, समाजविज्ञान, शोध पत्रिका'' टवस.1, No. XIII अप्रैल 2011, पेज नं. 165
3.Vasavi Kiro, "Develop, Displacement and Women" Women's Link, Val. 16, No.-1, New Delhi, March 2010, P. 19
4.Anil Kumar & Jasvinder Singh, "Challenges for the working Women", Vikasini Vol - 23, No. 3, New Delhi, September – 2008, P. 27
5.Unews, Monthly Newsletter of the U N Information Centre, New Delhi, Val. 7, No. 2, February-2011
6.सरोज कुमार वर्मा, ''सशक्तीकरण के भारतीय संदर्भ'' योजना अक्तुबर 2008, नई दिल्ली, पेज नं. 24

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- ✶ International Scientific Journal Consortium Scientific
- ✶ OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net